

खाटू धाम हमारा श्याम भजन लिरिक्स



क्या बैकुंठ क्या स्वर्ग का करना,
मुझको जान से प्यारा,
खाटू धाम हमारा,
हो खाटू धाम हमारा,
इसके आगे फीका लगता,
है हर एक नज़ारा,
खाटू धाम हमारा,
खाटू धाम हमारा।bd।

तर्ज - धरती सुनहरी अम्बर नीला ।

खाटू की धरती पावन,
जहाँ बाबा का है बसेरा,
मेरा तो स्वर्ग वही पे,
जहाँ श्याम धणी का डेरा,
इससे सुन्दर कुछ भी नहीं है,
इससे सुन्दर कुछ भी नहीं है,
देख लिया जग सारा,
खाटू धाम हमारा,
खाटू धाम हमारा।bd।

जिसने खाटू देखा है,
वो स्वर्ग ना जाना चाहे,
है धाम वो सबसे प्यारा,
जहाँ ये दरबार लगाए,
भक्तों की खातिर बाबा ने,
भक्तों की खातिर बाबा ने,
धरती पे स्वर्ग उतारा,
खाटू धाम हमारा,
खाटू धाम हमारा।bd।

मौका जो मिले तो इक बार,
तुम खाटू जाके आओ,
क्या मैंने झूठ कहा था,
आकर के मुझे बताओ,
कहे 'पवन' के जाना पड़ेगा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के किसी भी मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



क्या बैकुंठ क्या स्वर्ग का करना,
मुझको जान से प्यारा,
खाटु धाम हमारा,
हो खाटु धाम हमारा,
इसके आगे फीका लगता,
है हर एक नज़ारा,
खाटु धाम हमारा,
खाटु धाम हमारा।bd।

स्वर – राजू मेहरा जी।